CH-6-KANYADAAN

प्रश्न 1.आपके विचार से माँ ने ऐसा क्यों कहा कि लड़की होना पर लड़की जैसा मत दिखाई देना?

प्रश्न 2.

'आग रोटियाँ सेंकने के लिए है।

जलने के लिए नहीं।

(क) इन पंक्तियों में समाज में स्त्री की किस स्थिति की ओर संकेत किया गया है?

(ख) माँ ने बेटी को सचेत करना क्यों जरूरी समझा?

प्रश्न 3.

'पाठिका थी वह धुंधले प्रकाश की

कुछ तुकों और कुछ लयबद्ध पंक्तियों की'

इन पंक्तियों को पढ़कर लड़की की जो छवि आपके सामने उभरकर आ रही है उसे शब्दबद्ध कीजिए।

प्रश्न 4.

माँ को अपर्च, बेटी 'अंतिम पूँजी' क्यों लग रही थी?

प्रश्न 5.

माँ ने बेटी को क्या-क्या सीख दी?

प्रश्न 6.

आपकी दृष्टि में कन्या के साथ दान की बात करना कहाँ तक उचित है?

प्रश्न 1.

वैवाहिक संस्कार में कन्यादान खुशी का अवसर माना जाता है, पर यहाँ माँ दुखी क्यों थी?

प्रश्न 2.

लड़की की माँ की चिंता के क्या कारण थे?

प्रश्न 3.

कुछ तुकों और लयबद्ध पंक्तियों के आधार पर कन्या की मनोदशा स्पष्ट कीजिए।